आउटकम बजट 2021–22

महानिदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
					प्रशासन				
1	**निदेशन तथा प्रशासन**	**"सभी के लिए स्वास्थ्य"** विजन पूर्ण करने हेतु मानव संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, औषधि व्यवस्था एवं लोक निजी सहभागिता के द्वारा सुविधा उपलब्ध कराना।	**227738**	**0**	**कार्यरत मानव संसाधनः–** **श्रेणी–क–599** **श्रेणी–ख–1439** **श्रेणी–ग–5641** **श्रेणी–घ–265**	**कार्यरत मानव संसाधनः–** **श्रेणी–क–495** **श्रेणी–ख–1145** **श्रेणी–ग–5641** **श्रेणी–घ–265**	प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का उचित कार्यान्वयन एवं सुदृढ प्रशासनिक नियन्त्रण तथा चिकित्सक रोगी अनुपात में सुधार	राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ एवं आसान बनाना तथा सभी के लिए स्वास्थ्य विजन को प्राप्त करना	2021–22
					नियोजन				
2	**चिकित्सालयों की स्थापना एवं लोक स्वास्थ्य**	प्रदेश के आम जनमानस हेतु उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना।	**10034840**	**0**	जिला चिकित्सालय–13 उप जिला चिकित्सालय–20 सामु0स्वा0केन्द्र–79 प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप–ए–526 प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप–बी–52 अन्य चिकित्सा इकाईयां–24 उपकेन्द्र–1904	जिला चिकित्सालय–13 उप जिला चिकित्सालय–20 सामु0स्वा0केन्द्र–79 प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप–ए–526 प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप–बी–52 अन्य चिकित्सा इकाईयां–24 उपकेन्द्र–1904	**प्रस्तावितः–** उपकेन्द्र–42 प्रा0स्वा0केन्द्र–18 सामु0स्वा0केन्द्र–10 ब्लड बैंक–02 महिला चिकित्सालय की स्थापना–01 300 शैय्यायुक्त चिकित्सालय–01	राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ एवं आसान बनाना तथा सभी के लिए स्वास्थ्य विजन को प्राप्त करना	2021–22
					निर्माण				
3	**निर्माण कार्य**	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वसुलभ/सुदृढ बनाने हेतु चिकित्सालयों/कार्यालयों का निर्माण करना।		**635006**	1. रा0एलो0चिकि0– 08 2. सामु0स्वा0केन्द्र– 04 3. सामु0स्वा0केन्द्रों में उच्चीकरण–01 4. सी0एम0ओ0 भवन का निर्माण–01 5. तहसील स्तरीय विशिष्ट सेवा सुविधा निर्माण– 03	**<u>बजट की उपलब्धता के आधार परः–</u>** 1. आवासीय भवनों की व्यवस्था–08 2. अनावासीय भवनों में वृहद स्तरीय अनुरक्षण, विस्तारीकरण एवं निर्माण–11 3. बेस चिकित्सालय का	**<u>बजट की उपलब्धता के आधार परः–</u>** 1. रा0एलो0चिकि0–01 (धारी डूण्डसीर टिहरी) 2. प्रा0स्वा0केन्द्र–02 (जखोल, उत्तरकाशी तथा नन्दप्रयाग, चमोली) 3. सामु0स्वा0केन्द्र–01	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
					6. अनावासीय भवनों मे वृहद स्तरीय अनुरक्षण विस्तारीकरण तथा निर्माण– 02 7. बेस चिकित्सालय–05 8. आवासीय भवनो का निर्माण–09 9. प्रा0स्वा0केन्द्रों का निर्माण–08 10. ब्लड बैंक –01 11. ट्रॉमा सेन्टर– 01 12. 300 बेडेड चिकित्सालय का निर्माण–01	निर्माण–03 4. मानसिक चिकित्सालय–01 5. प्रा0स्वा0केन्द्र के भवनों का निर्माण–07 6. सामु0स्वा0केन्द्र का निर्माण–04 8. 300 शैय्यायुक्त चिकित्सालय का निर्माण–01	(हल्दूचौड, नैनीताल) 4. उप जिला चिकित्सालय–01 (गैरसैंण) 5. बेस चिकित्सालय–02 {त्यूणी एवं पिथौरागढ (प्रथम चरण)} 6. मानसिक स्वास्थ्य संस्थान–01 (सेलाकुई, देहरादून) 7. जि0चि0 चम्पावत के आवास–01		
					सूचना संचार शिक्षा				
4	**लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण योजनाएं एवं उनका प्रचार–प्रसार**	"सभी के लिए स्वास्थ्य" विषयक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सूचना शिक्षा एवं संचार रणनीति का क्रियान्वयन।	**678150**	**0**	विभिन्न माध्यमों यथा–**रेडियो, टीवी, Hordings, Buspanel, प्रिन्टिंग** सामग्री, **DisplayBoard, Translites, Posters, Handbills के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित** राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को **प्रचारित–प्रसारित किया गया।**	विभिन्न माध्यमों यथा–**रेडियो, टीवी, Hordings, Buspanel, प्रिन्टिंग** सामग्री, **DisplayBoard, Translites, Posters, Handbills के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित** राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को **प्रचारित–प्रसारित किया जाएगा।**	महानिदेशालय स्तर पर कार्यशील आई0ई0सी0 सैल द्वारा विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जाना।	लोक स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से प्रदेश मे बृहद स्तर पर जागरूकता उत्पन्न होगी एवं स्वास्थ्य योजनाओं को प्राप्त करने के लिए मांग सृजित होगी।	2021–22
					लोक निजी सहभागिता				
5	**लोक निजी सहभागिता (पी0पी0पी0)**	पर्वतीय/दूर–दराज/असेवित क्षेत्रों में विशेषज्ञ/आपातकालीन एवं हृदय रोग से सम्बन्धित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	**424400**	**0**	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून) में:– कुल–120556 डायलिसिस (92704 BPL मरीज) तथा 02 कार्डियक केयर सेंटर एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर तथा कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून में	डायलिसिस सेंटरों में कुल–165000 डायलिसिस, (115000 BPL मरीज) तथा कार्डियक केयर सेंटरों में 142000–ओ0पी0डी0 2350– सर्जरी	वित्तीय वर्ष 2020–21 में 02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून) में:– कुल–33,591 डायलिसिस, 18,567 BPL मरीज) तथा 02 कार्डियक केयर सेंटर एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर तथा कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून में	1–राज्य में तृतीय स्तर की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कराना। 2– प्रदेश से बाहर जाने वाले रैफरल केसों में कमी लाना। 3– मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम करना। 4.राज्य में उच्च स्तरीय नेफ्रोलॉजी सेवाएं उपलब्ध	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
					128509–ओ0पी0डी0 2276– सर्जरी		12,808–ओ0पी0डी0 79– सर्जरी	कराना।	
					स्वास्थ्य				
6	**तीर्थ यात्रा/मेले/दैवीय आपदा**	तीर्थ यात्रियों को यात्राकाल में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं हेतु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना	**20151**	**0**	चार धाम चिकित्सा इकाइयों में लगभग 77491 तीर्थयात्रियों को लाभान्वित किया गया हरिद्वार में जुलाई माह में कांवड़ मेले के दृष्टिगत 4 सेक्टरों (हरिद्वार, रुड़की, बहादराबाद, नारसन) में 13 अस्थाई शिविरों की स्थापना की गयी। कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग में 04 चिकित्सा सहायता शिविरों का आयोजन किया गया।	चार धाम/विभिन्न मेलों/कैलाश मानसरोवर यात्रा आदि के समस्त अस्वस्थ्य तीर्थयात्रियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य।	चार धाम यात्रा/कैलाश मानसरोवर यात्रा/मेले/दैवीय आपदा में उचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी।	प्रदेश में तीर्थ यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा एवं प्रदेश की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	2021–22
					राज्य व्याधि निधि				
7	**राज्य व्याधि सहायता निधि**	राज्य के बी0पी0एल0 श्रेणी के परिवारों को चिन्हित घातक रोगों के उपचार/विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा हेतु रु0 1,50,000/– तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।	**0**	**0**	वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2020 तक की स्थिति– बै0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1042 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 128091175/–	वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2020 तक की स्थिति– बै0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1042 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 128091175/–	बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	2021–22
					परिवार कल्याण				
8	**परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का संचालन**	केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओं को सुदृढीकृत किये जाने हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाना।	**1711451**	**0**	नसबंदी – 239 (पुरुष) – 9482 (महिला) कॉपरटी– 39181 ओरलपिल्स प्रयोगकर्ता– 21981 निरोध प्रयोगकर्ता–33981	नसबंदी – 100 (पुरुष) – 5000 (महिला) कॉपरटी– 32000 ओरलपिल्स प्रयोगकर्ता– 15000 निरोध प्रयोगकर्ता–15000	परिवार कल्याण कायक्रम का सफल संचालन किया जाएगा।	परिवार कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण लगाया जा सकेगा।	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (90 प्रतिशत केन्द्रांश एवं 10 प्रतिशत राज्यांश)									
9	**राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम**	क्षय रोगियों की पहचान, निदान एवं उपचार करना।	**5289405**	**0**	क्षय रोगियों की संख्या–25967 रोगियों सफलता दर–85 प्रतिशत	क्षय रोगियों की संख्या–32000 रोगियों सफलता दर–90 प्रतिशत	क्षय रोगियों की संख्या–25967 रोगियों सफलता दर–90 प्रतिशत	1) टी0बी0 नोटिफिकेशन लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करना 2) सफलता दर में 90 प्रतिशत तक सुधार लाना	2021–22
10	**प्रतिरक्षण एवं पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम**	2030 तक 05 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाना।			BCG- 178782 Pentavalent (1+2+3)-524663 OPV(0+1+2+3)-653906 IPV (1+2)- 342532 MR (1+2)-340471 Hepatitis B (0+1+2+3)-96813 Rotavirus (1+2+3) – 289044 TD (1+2)- 319483 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	BCG- 171888 Pentavalent (1+2+3)-506381 OPV(0+1+2+3)-626037 IPV (1+2)- 334760 MR (1+2)-342627 Hepatitis B (0+1+2+3)-102593 Rotavirus (1+2+3) – 501229 TD (1+2)- 311720 प्रतिरक्षण कवरेज–96%	शिशु–मृत्यु दर–30/1000 प्रतिरक्षण कवरेज–95%	शिशु–मृत्यु दर–12/1000 प्रतिरक्षण कवरेज–98%	2030–31
11	**राष्ट्रीय कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम**	कुष्ट रोग की व्यापकता दर प्रत्येक जनपद स्तर पर प्रति 10000 जनसंख्या पर 1 या 1 से कम			नये खोजे गये रोगी–320 रोगमुक्त रोगी–333 उपचाराधीन रोगी–258	नये खोजे गये रोगी–300 रोगमुक्त रोगी–318 उपचाराधीन रोगी–278	व्यापकता दर–0.17/10000 A.N.D.C.D.R.–1.31/100000 जनसंख्या	व्यापकता दर–0.16/10000 A.N.D.C.D.R.–2/100000 जनसंख्या	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
		करना।			जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–35	जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–35	डिफारमिट प्रतिशत–0 महिला प्रतिशत–32.00% चाइल्ड प्रतिशत–2.85% एम0बी0 रोगी–72.38%	डिफारमिट प्रतिशत–0 महिला प्रतिशत–32.06% चाइल्ड प्रतिशत–2.85% एम0बी0 रोगी–Above 95%	
12	**राष्ट्रीय जीवाणु जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम**	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम करना। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य बनाए रखना।			मलेरिया की वार्षिक पैरासाईट इन्सीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या 1 से कम प्राप्त किया।	–मलेरिया–15 केस –राज्य का वार्षिक पैरासाईट दर–(API)- 0.001	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य करना।	जीवाणु जनित रोगों के बारे में व्यापक प्रचार–प्रसार करके जनमानस को जागरुक करना तथा कीटनाशक फॉगिंग एवं छिड़काव के माध्यम से जीवाणु जनित रोगों की व्यापकता दर को शुन्य करना।	2021–22
13	**मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम**	मातृ मृत्यु अनुपात में कमी लाना			जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–90453 एवं प्रशिक्षित दाईयों द्वारा कराये गये प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–12793	मातृ–मृत्यु दर–99/100000	मातृ–मृत्यु दर–99/100000	मातृ–मृत्युदर–96/100000	2021–22
14	**शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम**	शिशु मृत्यु दर तथा 5 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाना			33/1000 जीवित जन्म	31/1000 जीवित जन्म	30/1000 जीवित जन्म	12/1000 जीवित जन्म	2030–31
15	**NPCDCS (National Programme for Control of Diabetise, Cancer and Stroke)**	जीवन–शैली तथा आचरण परिर्वतन द्वारा गैर संचारी रोगो की रोकथाम, निदान तथा ईलाज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विभिन्न स्तरों पर सुदृढीकरण करना।			जिला वैलनेस सेन्टर में:– ओ0पी0डी0–117734 मधुमेह रोग ग्रसित–16018 उच्च रक्तचाप रोगी–19850 फिजियोथैरेपी–11160	**दिसम्बर, 20120 तक की स्थिति:–** ओ0पी0डी0–299574 मधुमेह रोग ग्रसित–27259 फिजियोथैरेपी–2999 मुंह का कैंसर– 1096	गैर संचारी रोगों से ग्रसित नागरिकों को उचित परामर्श एवं सन्दर्भण की सुविधा प्रदान की जा रही है तथा आम जनमानस में गैर संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरुकता प्रदान की जा रही है।	प्रदेश के नागरिको में गैर संचारी रोगों के प्रति जागरुकता का प्रसार होगा तथा उक्त से बचाव हेतु स्वस्थ जीवन शैली तथा आचरण अपनाने की संस्कृति का विकास होगा, जिससे नागरिक स्वस्थ्य होगे।	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
16	**NTCP (National Tobaco Control Programme)**	तम्बाकू सेवन को कम करना			**Cigaratte and Other Tobacco Act (कोटपा), 2003 के अन्तर्गत कुल चालान– 7447 तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 12781 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 2793 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये।** **कुल 861 School Awareness Programme आयोजित**	**दिसम्बर, 2020 तकः–** कोटपा, 2003 के अन्तर्गत कुल चालान– 1302 तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 4406 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 799 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये।	कोटपा, 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ–साथ तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुकता प्रदान की जा रही है।	तम्बाकू के सेवन के दुष्प्रभावों की जानकारी प्राप्त होने से तम्बाकू सेवन पर अंकुश लगाया जा सकेगा, जिससे तम्बाकू से होने वाली गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकेगा।	201–22
17	**NPPCD**	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रवण ह्रास की रोकथाम। बीमारी की शीघ्र पहचान, निदान व उपचार।			बहरेपन का परीक्षीण–7671 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी–232 व्यक्ति	**दिसम्बर, 2020 तक की स्थितिः–** बहरेपन का परीक्षीण–4444 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी–60 व्यक्ति	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रावण ह्रास से ग्रसित सभी वर्ग क`व्यक्तियों को पुनर्वास की सुविधा प्रदान की जा रही है।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2021–22
18	**NPHCE**	प्रारम्भिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सुगमता पूर्वक उनकी समस्याओं का निदान, उनकी रोकथाम तथा पुर्नवास सेवाएं प्रदान करना।			Geriatic क्लीनिक में 105796 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 तथा 6600 वृद्ध नागरिकों को आइ0पी0डी0 की सेवायें प्रदान की गयी हैं।	**दिसम्बर, 2020 तक की स्थितिः–** Geriatic क्लीनिक में 42364 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी हैं।	राज्य के वरिष्ठ नागरिकां को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2021–22
19	**NMHP**	मानसिक रोग से ग्रसित रोगियों की पहचान कर उपचार प्रदान करना।			19726 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	**दिसम्बर, 2020 तक** कुल 6465 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।	मानसिक रोगियों को उचित उपचार प्रदान किया जा रहा हे।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
20	**NOHP**	ओरल हैल्थ की सेवाओं का सुदृणीकरण।			40276 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	**दिसम्बर, 2020 तक की स्थितिः–** समस्त जनपदों की एक सामु0स्वा0केन्द्र में डेंटल यूनिट का सुदृढीकरण किया गया है। दिसम्बर, 2020 तक कुल 11508 रोगियों को दन्त एवं मुख से सम्बन्धित रोगों का उपचार प्रदान किया गया है।	प्रदेश के नागरिकों को दन्त एवं मुख से सम्बन्धित रोगों के सम्बन्ध में जागरुकता प्राप्त होगी तथा ओरल रोगों का उपचार प्राप्त होगा।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2021–22
21	**NPCB** **राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम**	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना			मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–45825 स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–3938 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–3362	**दिसम्बर, 2020 तक की स्थितिः–** मोतियाबिन्द के ऑपरेशन–14529 स्कूल छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–373 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–1848	नेत्र से सम्बन्धित रोगों को उपचार प्रदान कर राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता दर को 0.3 प्रतिशत तक लाना।	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत तक बनाये रखना।	2021–22
22	**प्रधान मन्त्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (PMNDP)**	प्रदेश में संचालित कुल 09 (कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून, बेस चिकित्सालय हल्द्वानी, मेला चिकित्सालय हरिद्वार, संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग, बेस चिकित्सालय अल्मोड़ा, जिला चिकित्सालय पिथौरागढ, एवं जिला चिकित्सालय उधमसिंह नगर) डायलिसिस केन्द्रों में निःशुल्क व न्यनतम दरों में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराना।			दि0 01 अप्रैल, 2020 तक कुल 1044 रोगियों के 50914 डायलेसिस सेशन किये गये।	**वित्तीय वर्ष 2020–21** की दिसम्बर, 2020 तक कुल 1056 नये रोगियों को पंजीकृत किया गया तथा कुल 47485 डायलिसिस सेशन किये गये हैं।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
23	**टेलीरेडियोलॉजी**	राज्य की कुल 35 चिन्हित चिकित्सा इकाई में टेलीरेडियोलॉजी सेवा उपलब्ध कराया जाना।			एक्स–रे– 35 सी0टी0 स्कैन– 6 एम0आर0आई0–01	एक्स–रे– 142549 सी0टी0 स्कैन– 7384 एम0आर0आई0–1335	लाभार्थी के धन एवं समय की बचत तथा उपचार में होने वाले व्ययभार में कमी लाना।	लाभार्थी के धन एवं समय की बचत तथा उपचार में होने वाले व्ययभार में कमी लाना।	2021–22
24	**हिमोग्लोबीनोपैथी कार्यक्रम**	रक्त विकार/ हिमोग्लोबीनोपैथी हेतु प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर में रोकथाम, नियत्रंण एवं जागरूकता अभियान संचालित करना।			–स्क्रीनिंग–33414 (बच्चो की संख्या) –थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों की संख्या–270	–स्क्रीनिंग–4045 (बच्चो की संख्या) ––थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों की संख्या–296	296 बच्चों को रक्त संचरण/उपचार करावाना।	प्रदेश में रक्त विकार/हीमोग्लोबीनोपैथी के बारे में जन मानस को जागरुक कर रोकथाम करना	2021–22
25	**इन्टेग्रेटिड डीजिज सर्विलेन्स प्रोग्राम**	• सिन्ड्रोमिक रिर्पोटिंग (S Form), प्रिसम्पटिव रिपोर्टिंग (P Form), लैब कन्फर्म्ड रिपोर्टिंग (L Form) > 80% • एपिडेमिक संवेदनशील रोगो की जांच हेतु जिला पब्लिक हैल्थ लैब का सुदृढीकरण			S form- 70% P form- 65% L form- 65%	S form- 89% P form- 90% L form- 83%	• सिन्ड्रोमिक रिर्पोटिंग (S Form), प्रिसम्पटिव रिपोर्टिंग (P Form), लैब कन्फर्म्ड रिपोर्टिंग (L Form) > 90%	रिपोर्टिंग के अन्तर्गत सभी रिपोर्टिंग को 90 प्रतिशत से अधिक बनाये रखना सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब का सुदृढीकरण	2021–22
					एड्स नियन्त्रण समिति				
26	**राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम**	उत्तराखण्ड राज्य को एच.आई.वी. के नये संक्रमण से वर्ष 2030 तक शून्य करना एवं एड्स से ग्रसित व्यक्तियों को चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराना।	**4002**	**0**	एड्स रोगी–849 उपचारित रोगी–849 संक्रमण दर–0.13	एड्स रोगी–490 उपचारित रोगी–490 संक्रमण दर–0.13	एड्स रोगी–490 उपचारित रोगी–490 संक्रमण दर–0.13	नये रोगियों की संख्या–0 उपचारित रोगी–100 प्रतिशत संक्रमण दर–0.00	2030–31
					राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण				
27	**राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण उत्तराखण्ड**	प्रदेश के चिन्हित परिवारों एवं सेवारत/सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराना।	**1500005**	**0**	गोल्डन कार्ड–3864145 लाभार्थियां की संख्या–147472 कुल व्यय धनराशि–138.90 करोड़	गोल्डन कार्ड–1008738 लाभार्थियां की संख्या–139095 कुल व्यय धनराशि–129.42 करोड़	प्रदेश के चिन्हित परिवारों एवं सेवारत/सेवानिवृत्त कार्मिकों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा लाभ उपलब्ध कराना।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त किया जा सकेगा।	2021–22

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्श 2021–22	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
					हेल्थ सिस्टम				
28	**हेल्थ सिस्टम डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट**	उत्तराखण्ड के दूरस्थ एवं असेवित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना एवं राज्य की जनता स्वास्थ्य कारणों से होने वाले व्यय को कम करना।	**2000000**	**0**	ओ0पी0डी0–140568 आई0पी0डी0–6397 प्रसव–780 एक्स–रे–13530 सर्जरी–325 अल्ट्रासाउण्ड–7683 ई0सी0जी0–2214 पैथोलॉजी जांच–138080 सी0टी0 स्कैन–397	ओ0पी0डी0–257072 आई0पी0डी0–13256 प्रसव–1868 एक्स–रे–27187 सर्जरी–1143 अल्ट्रासाउण्ड–13748 ई0सी0जी0–4557 पैथोलॉजी जांच–270985 सी0टी0 स्कैन–939	जनमानस को स्वास्थ्य लाभ देने हेतु स्वास्थ्य तन्त्र का संवर्द्धन	उत्तराखण्ड के दूरस्थ एवं असेवित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी एवं राज्य की जनता स्वास्थ्य कारणों से होने वाले व्यय कम होगा।	

सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून					
					(धनराशि लाख में)
क्र0सं0	SDG संकेतक	01 अप्रैल, 2020 की भौतिक स्थिति	31 मार्च 2021 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2021–22	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2021–22
1	एनेमिक गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत	46.5%	46.5%	43.5%	43.5%
2	राज्य में संस्थागत प्रसव	87.4%	88.4%	95%	95%
3	0 से 12 महीने के बच्चे जिनका पूर्ण प्रतिरक्षण हो चुका है	92%	95%	97%	97%
4	एम.एम.आर	89 / 100000	80 / 100000	80 / 100000	80 / 100000
5	आई.एम.आर	33 / 1000	30 / 1000	30 / 1000	30 / 1000